दिनांक 29 मई, 2017 को World Vision India द्वारा आयोजित State Level Campaign Launch: "It takes Jharkhand to End sexual abuse and exploitation of children" के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण

आज World Vision India द्वारा "It takes Jharkhand to End sexual abuse and exploitation of children" हेतु State Level Campaign की शुरूआत की जा रही है। बाल यौन शोषण आज हमारे समाज के समक्ष एक गंभीर एवं जटिल समस्या है। यह हमारे समाज द्वारा सामना की जाने वाली बेहद ही चिन्तनीय एवं निंदनीय सामाजिक बुराईयों में से प्रमुख है। यह अत्यन्त चिन्ता का विषय है कि भारत में बाल यौन शोषण की घटनाएं बहुत तेजी से बढ़ रही है।

वर्त्तमान में बाल यौन शोषण के बहुत–से मामलों को दर्ज नहीं किया जाता क्योंकि ऐसे मामलों को सार्वजनिक करने पर परिवार खुद को असहज महसूस करता है, इसके बारे में एक सामान्य धारणा है कि, ''ऐसी बातें घर की चार–दिवारी के अन्दर ही रहनी चाहिये।'' बाल यौन शोषण की बात के सार्वजनिक हो जाने पर परिवार की गरिमा के खराब होने के बारे में लगातार भय बना रहता है। बाल यौन शोषण जैसे घृणित कार्य पर रोकथाम के लिए क्या किया जाय, आज हम सबके समक्ष एक अहम चुनौती है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि इस सामाजिक कुरीति का अन्त नहीं हो सकता है। सभी समस्या का समाधान संभव है, जरूरत है उस दिशा में प्रतिबद्ध होकर आगे बढ़ने की। सभी को सर्वप्रथम एक अच्छा नागरिक बनना होगा। देश का एक अच्छा एवं उत्तरदायी नागरिक कतई इस प्रकार का कार्य नहीं करेगा।

बाल यौन शोषण कई रुपों में होता है जिससे माता–पिता और बच्चों दोनों को अवगत कराकर रोका जा सकता है। अत: माता–पिता के लिये बहुत आवश्यक है कि वे अपने बच्चों से अच्छी तरह बात करें तथा उनको सभी स्तर की ऐसी आशांकाओं से निरंतर जानकारी देते रहें। वे अपनी बच्चों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुनें। आज के माहौल में मैं यही कहूँगी कि माता–पिता अपने बच्चों की हर प्रकार की सुरक्षा हेतु सचेष्ट रहें। उन्हें अपने बच्चों की हर गतिविधि की जानकारी रखनी होगी। साथ ही विद्यालय एवं समाज भी बच्चों की सुरक्षा हेतु सक्रिय रहें। हमें हर हाल में समाज से बाल यौन शोषण को समाप्त करना होगा। इसके लिए जरूरी है कि बाल यौन शोषण के प्रति जागरूक हों, इस घटना की लोग शिकायत दर्ज़ करें तथा सरकारी तंत्र का सहायता लें, Toll Free No. 1098 का प्रचार–प्रसार सभी अपने क्षेत्रों में करें, Toll Free No. 1098 के बारे में सभी को जानकारी हो, ऐसा प्रयास हो।

अन्त में, मैं यही कहूँगी कि बाल यौन शोषण नामक कुरीति का समाज से पूर्णत: अन्त जितना जल्द हो जाय, उतना ही हम सबके लिए अच्छा है क्योंकि यह हमारे देश के माथे पर कलंक है। इसलिए इस अभियान को एक आंदोलन के रूप में लें। यह अभियान तब तक न रूकें, जब तक समाज से इस कुरीति का पूरी तरह अन्त नहीं हो जाता। किसी कार्यक्रम तक ही सीमित नहीं रहना चाहिये, धरातल पर दिखना चाहिये।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!